स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 44]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) १. | Page 44

विधान को पढ़कर गलत विधान को सही करके लिखो :

टिळक जी ने कहा है कि, वे यद्यपि शरीर से जवान है किंतु उत्साह में बूढ़े हैं।

1. सही
2. गलत

Solution: टिळक जी ने कहा है कि, वे यद्यपि शरीर से जवान है किंतु उत्साह में बूढ़े हैं - **गलत**

सही वाक्य : टिळक जी ने कहा है कि वे यद्यपि शरीर से बूढ़े हैं किंतु उत्साह में जवान हैं।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) २. | Page 44

विधान को पढ़कर गलत विधान को सही करके लिखो :

प्रांतीय सम्मेलन अंग्रेजों की देन है।

1. सही
2. गलत

Solution: प्रांतीय सम्मेलन अंग्रेजों की देन है - **गलत**

सही वाक्य : प्रांतीय सम्मेलन कांग्रेस की देन है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 44

टिप्पणी लिखो :

लोकमान्य टिळक

Solution: बाळ गंगाधर टिळक को हम लोकमान्य टिळक के नाम से भी जानते हैं। वे एक महान विद्वान, गणितज्ञ, दार्शनिक और राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। उनका जन्म महाराष्ट्र प्रांत में हुआ था। उनकी शिक्षा पूना के दकन कॉलेज में हुई थी। वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश-सेवा के लिए समर्पित कर दिया। सबसे पहले उन्होंने एक स्कूल की स्थापना की और उसमें अध्यापक हो गए। उसके बाद उन्होंने 'केसरी' और 'मराठा' नामक दो समाचार-पत्रों का संपादन किया। टिळक अपने क्रांतिकारी विचारों के लिए भी जाने जाते थे। वे पहले भारतीय नेता थे, जिन्होंने कहा, "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।" वे देश की

आजादी के लिए लड़ाई में कूद पड़ें। भारत की आजादी में बाळ गंगाधर टिळक का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 44

टिप्पणी लिखो :

होमरूल

Solution: १९१५ ई. से १९१६ ई. के मध्य दो होमरूल लीगों की स्थापना हुई। 'पुणे होमरूल लीग' की स्थापना बाळ गंगाधर टिळक द्वारा की गई थी तथा 'मद्रास होमरूल लीग' की स्थापना एनी बेसेंट ने की। यह एक राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन था। इस आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश साम्रज्य के अधीन रहते हुए संवैधानिक तरीके से स्वशासन को प्राप्त करना था। इनके द्वारा स्थापित लीग का प्रभाव कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रांत एवं बरार तक फैला हुआ था।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 44

उत्तर लिखो :

लोकमान्य टिळक जी द्वारा दिया गया नारा

Solution: स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 44

कृति पूर्ण करो :

जन्मसिद्ध अधिकार की विशेषताएँ

१. _____

२. _____

३. _____

४. _____

Solution: जन्मसिद्ध अधिकार की विशेषताएँ

१. कोई हथियार इस भावना को काट नहीं सकता।

२. कोई आग इसे जला नहीं सकती।

३. कोई जल इसे भिगो नहीं सकता।

४. कोई हवा इसे सुखा नहीं सकती।

भाषा बिंदु [PAGE 44]

भाषा बिंदु | Q (१) | Page 44

पाँच-पाँच सहायक और प्रेरणार्थक क्रियाओं का अपने स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग करो।

Solution: सहायता क्रियाएँ

१. सकता

२. गया

३. करता

४. होंगी

५. दिया

वाक्य:

१. महेश वहाँ नहीं जा **सकता**।

२. राघव विद्यालय चला **गया**।

३. सीमा का भाई रोज सुबह उठा **करता**।

४. दादी सो रही **होंगी**।

५. मीना ने पत्र सीमा को दे **दिया**।

प्रेरणार्थक क्रियाएँ

१. दिलवाया

२. बनाया

३. पहुँचाया

४. पहनाया

५. पढ़ाया

वाक्य:

१. माँ ने पिता जी से पूजा को नया बस्ता **दिलवाया**।

२. माँ ने खाना **बनाया**।

३. राहुल ने अपनी बहन को विद्यालय **पहुँचाया**।

४. मीरा ने जीवन को कुर्ता **पहनाया**।

५. शिक्षक ने विद्यार्थियों को नया पाठ **पढ़ाया**।

उपयोजित लेखन [PAGE 44]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 44

अपने विद्यालय में आयोजित 'स्वच्छता अभियान' का वृत्तांत लिखो। वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख आवश्यक है।

Solution: संत एकनाथ विद्यालय के प्रांगण में दिनांक २३ जून, २०१९ को 'स्वच्छता अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या मंदिर विद्यालय के प्रधानाचार्य को बुलाया गया था। उन्होंने इस अभियान को आयोजित करने वाले और भाग लेने वाले संत एकनाथ विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों की काफी तारीफ की। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए स्वच्छता अभियान के पोस्टर बेहद आकर्षक और लोगों तक संदेश पहुँचाने वाले थे। अतिथि महोदय ने वहाँ उपस्थित सभी लोगों को अपने परिसर व देश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने वहाँ उपस्थित अतिथि महोदय व अन्य सभी लोगों का कार्यक्रम में अपना योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया। अंत में राष्ट्रगान द्वारा इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

उपयोजित लेखन | Q (२) | Page 44

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: लोकमान्य टिळक के मन में उठ रही स्वराज्य की भावना का महत्त्व समझने के साथ ही राजनीति, धर्म, स्वशासन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

स्वयं अध्ययन [PAGE 44]

स्वयं अध्ययन | Q (१) | Page 44

पाठ में प्रयुक्त उद्धरण, सुवचन, मुहावरे, कहावतें, आलंकारिक शब्द आदि की सूची बनाकर अपने लेखन प्रयोग हेतु संकलन करो।

Solution: उद्धरण – स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

सुवचन – आत्मा अमर है।

मुहावरा – आँखों से परदा हटाना।

आलंकारिक शब्द – अज्ञातवास, मरुभूमि।